ओसवाल प्रकाश

ओसवाल मित्र मण्डल का मासिक मुखपत्र

R. N. I. Registration No. MAHHIN/2000/4037 वर्ष - १६ अंक - ०२ मुंबई - फरवरी २०१७ मूल्य-१ रुपया

'कोमल है, कमजोर नहीं, शक्ति का नाम ही नारी है।'

नारी इस सृष्टि की सबसे सुंदरतम एवम् महान कृति है। ब्रह्मा ने इसकी रचना अपने ही हाथों से की और अपनी ही तूलिका से इसे संवारा, और अपनी ही भावनाओं द्वारा संस्कारों का रोपण किया है। नारी ह्रदय प्रेम, त्याग, ममता, स्नेह, सहनशीलता आदि गुणों का ऐसा सम्मिश्रण हैं, जिसका उपयोग वह समस्त मानव जाति के कल्याण के लिये करती है। सच कहा जाए तो नारी के बिना सृष्टि की कल्पना ही असंभव हैं। नारी की श्रेष्ठता का सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण यह है कि ईश्वर ने जब संसार बनाया तब ज्ञान की देवी सरस्वती को, धन की देवी लक्ष्मी को, अतिथियों की आवभगत, परिवार के सदस्यों के पोषण के लिये अन्नपूर्णा को और शक्ति की प्रतीक मां दुर्गा को बनाया। यह नारी शक्ति की महिमा का साक्षात स्वरुप है।

समाज के आचरण को बनाना, घर का प्रबंध करना, कोमलता, प्रेम और सहनशीलता से जीवन की विषम और कठिन यात्रा को सरल और सुखद बनाने वाली नारी ही है। दुःख तथा संकट में स्त्री जैसा दूसरा निरपेक्ष व प्रेमपूर्ण मित्र नहीं।

सेवा में लगन और कार्य में मगन, स्त्री सेवा को अपना अधिकार समझती है इसलिए देवी है, वह त्याग करना जानती है, इसलिये सम्राज्ञी है, वह ममता लुटाती है इसलिये जगन्माता है।

मार्गरिट थ्रेचर ने कहा था 'अगर आप चाहते हैं कि कुछ कहा जाय तो एक पुरुष को आवाज दिजिये और अगर चाहते हैं कि कुछ कार्य किया जाय तो इसके लिये एक महिला से कहना होगा और वह उस कार्य को सफल करके दिखायेगी।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, 'स्त्री क्या है ?' साक्षात् त्याग की मूर्ति। जब कोई स्त्री किसी कार्य में जी जान से लग जाती है तो वह पहाड को भी हिला देती है'।

आज की नारी ने हर क्षेत्र में अपना परचम फहरा रखा है। किसी किसी क्षेत्र में तो वह पुरुष से भी एक कदम आगे है। सबसे आदरणीय बात ईश्वर ने स्वयं उसे सृजन की शक्ति दी है, इस रुप में वह पूजनीय है, ईश्वर का दूसरा रुप है, वंदनीय है। नारी ने हर क्षेत्र में आज बहुत प्रगति की है, सफलता के कई शिखरों को पार किया है, फिर भी रह-रहकर मन में एक सवाल उठता है, 'क्या नारी स्वतंत्र है' ?' क्या सचमुच घर पर उसका अधिपत्य है ? क्या उसके पास निर्णय लेने का अधिकार है ? कया वह अपनी मन मर्जी की मालिक है ? हर बार जवाब मिलता है नही ? चंद गिनी चुनी उच्च वर्गीय महिलाओं को छोड दिया जाय तो आम नारी आज दोहरी मार झेल रही है। घर और कार्यक्षेत्र में काम करते हुये वह मशीन बन कर रह गई है।

हर दिन महिला दिवस है और हर नारी को दूसरी नारी का हाथ पकड़ना होगा, मशाल हरेक हाथ में जलानी होगी।

एक वह भी जमाना था जहां गार्गी मैत्रियी और भारती मिश्र जैसे विदुषियाँ थी। भारती मिश्र जो शंकराचार्य और मंडल मिश्र के शास्त्रार्थ निर्णायिक बनी थी। लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगना, जिन्होंने युद्ध के मैदान में दुश्मनों के नाकों चने चबाया दिये थे। जीजामाता, पन्नाबाई के शौर्य की घर घर गूंजती है आज भी गीता।

अब नारी को खुद की रक्षा के लिये आत्मरक्षा के हुनर स्वयं सीखने होंगे।

अगर हम समचुच एक सुंदर विश्व, मजबूत समाज की कल्पना साकार करना चाहते हैं तो हमें नारियों को वह सम्मान, आदर देना होगा, जिसकी वह हकदार है। पुरुषो को अपने अहम को मिटाकर उसकी बुद्धि, काबीलियत, मेहनत का मान रख उसे बराबर का दर्जा देना होगा। बेटों और बेटियों के फर्क को मिटाना होगा। हर नारी में बेटी, बहन, देवी और मां के रुप को महसूस करें उसका अपमान करने से बचे। तभी हम एक आदर्श समाज की रचना कर सकेंगे।

कविवर मैथिलीशरण ने नारी की गरिमा को वर्णित करते बहुत ही सुंदर पंक्तियां रचित की है:-

'संसार यात्रा में स्वपति की वे अटल अश्रान्ति है
है दुःख में धीरता, सुख में सदा वे शान्ति है
शुभ सांत्वना है शोक में वे और औषधि रोग में
संयोग मे संपति है, बस है विपत्ति वियोग में।'

आज की नारियों से भी मेरा यही निवेदन है आप सफलता की कितनी भी सीढियां क्यों न चढ ले, अपने परिवार बच्चों को न भूले। व्यवसायिक क्षेत्र में उन्नति के साथ-साथ एक अच्छी होम मेकर बने। सफल नारी वही है जो हर परिस्थिति में सहज और सजग रहे। छोटे से प्रयास से अपने 'मै' की यानी अस्तित्व की तलाश सफल करे और उसे 'हम' में बदल दें।

अंत में मेरी बहनों से यही कहना चाहूंगी 'चंद पल अपने सपनों को दो, सब कुछ पा लोगे इस जीवन में, बनो प्रणेता नये युग के, नव क्रांति का आवाहन करो, पूर्ण समर्पित हो सत्कार्यो को, बस कुछ पल अपने सपनों को दो।

- मंजू लोढ़ा

'आसान नहीं था, तोडना जंजीरों को
आसान नहीं था, मांगना अधिकारों को
आसान नही था, आसमां अपना तलाशना
आसान नही था, मन की राह चुनना
पग पग बिछे थे, संघर्षो के कांटे
लहुलुहान हुई कई बार
अरसे तक तपी, झुलसी वेदना की आग में
तब कहीं पा सकी अपना अस्तित्व
पहचान सकी अंदर छिपी ताकद
और बूंद सकी स्त्री शक्ति का अर्थ।'

स्त्री शक्ती- मंडल की गरिमा

Manju Lodha

सेवा, शिक्षा, साहित्य एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में मुंबई में एक प्रमुख नाम है श्रीमती मंजु लोढ़ा । वे एक बहु आयामी प्रतिभाशाली महिला है और अनेक प्रतिष्ठित सामाजिक संस्थाओं से सक्रिय रुप से जुडी हुई है ।

महिलाओं से स्वावलंबन एवं संबल के लिए ब्यूटी, कंप्यूटर आदि के कोर्स सीखकर ९,५००/- से भी ज्यादा घरेलू महिलाएं एवं लड़कियां आज अपने पैरों पर खड़ी है। चालीस साल से ज्यादा की उम्र की करीब ३० हजार घरेलू महिलाओं को कंप्यूटर सिखाने एवं स्मार्ट फोन संचालित करने की योजना में प्रशिक्षित किया जा चुका है।

लोढ़ा फाउंडेशन की "स्वथ महिला योजना" के तहत मेडीकल सेवा में २७ हजार से भी ज्यादा महिलाओं की इलाज में सहायता की गई है। झोपड़पट्टियों में रहनेवाले लोगों के घरों तक जाकर उनक इलाज कराया गया है। तथा लोगों को कम दरों पर बेहतरिन दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए जैनरिक मेडिकल सेंटर कार्यरत है।

मुंबई, ठाने, डोंबिवली, एवं नालासोपारा में श्रीमती लोढ़ा स्कूल भी संचालित कर रही हैं । इन स्कूलों में आसपास के मजदूरों के बच्चों को वहां मुफ्त शिक्षा का प्रावधान है। श्रीमती लोढ़ा ने २०१४ में आठवी, नौवी और दसवीं में फेल हुई छात्राओं की आगे की पढ़ाई की व्यवस्था कर अब तक २०० युवतियों को ग्रेजुएशन कराया हैं। श्रीमती लोढ़ा व्दारा तीन लाइब्रेरियों का भी संचालन किया जा रहा है। लोढ़ा धाम के ग्रंथागार में अब तक कुल ५ लाख २५ हजार से भी ज्यादा पुस्तकों का संकलन हो चुका है।

अप्रैल २०१६ तक श्रीमती मंजू लोढ़ा की कुल ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और आप मुंबई में घरेलू महिलाओं की साहित्यिक रुचि को निखारने का काम भी कर रही है। वे मानती है कि आज के जमाने में शिक्षित, स्वस्थ और स्वावलंबी महिला ही समाज को नई दिशा दे सकती है।

लोढ़ा धाम आज मुंबई के आसपास के सबसे विख्यात धर्मस्थलों में से एक है। श्रीमती मंजु जी भावपूर्ण लेखन एवं सामाजिक कार्यों के साथ एक ओजस्वी वक्ता भी है। कुशल कवियत्री भी है।

After 16 years of being a home-maker, Priti ventured into the financial world and in no time established herself as a known brand in the Insurance Industry. She became the No.1 advisor in the country for ICICI Prudential Life in her very first year and did a hat trick in the following years. Since then she has consistently qualified for the Top of the Table for 13 years in a row and has many accolades to her credit for highest persistency, highest on-line sales and highest sum assured in the country. In 2016 she won the award for highest assets under management.

Guided by a single minded client-centric approach, Priti has volunteered on several committees of the Million Dollar Round Table over the years. To name a few – she served as Zone Chair for South Asia, MDRT Ambassador, Assistant Director (Power Centre) at the Annual meeting in Philadelphia. Currently she is the Assistant Chair (Program Development Committee Main Platform) for the 2017 Meeting to be held in Orlando. She believes that each role has been a humbling experience enriching her and contributing to her all round growth over the years. She has regularly been interviewed on TV channels like CNBC, the print media.

Priti Kucheria

Smt Savitri Kochar

राजनांदगांव जैसे छोटे गांव से आकर बी.एस.सी. करने के बाद एम.ए. फाइनल व एल.एल.बी. गोल्ड मेडल व फर्स्ट क्लास से पास की। हिन्दी प्राध्यापिका के तौरपे दो साल काम किया।

मंडल की सदस्यता के पश्चात कुचेरियाजी तथा कोठारीजी दोनों की प्रेरणा से ही मैं माइक के सामने खड़े होकर बोलने का साहस जुटा सकी। ११ वर्षों तक मैनें ओसवाल जगत का सम्पादन किया ।

हास्य और व्यंग मेरे प्रिय विषय रहे है। इसलिए मैने हास्य-कविसम्मेलनों का रुख किया। पूरे भारत में लगभग अधिकांश शहरों में मैने १२०० सो से ज्यादा शोज़ किये फिर शोज़ करने मैं युरोप, दक्षिण अफ्रिका, दुबई, थाईलैंड भी गई। कवि सम्मेलनों के अलावा मैं गीत-संगीत, गेम शो, हर प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन भी करती हूँ।

इस दौरान टी.वी. पर कॉमेडी शोज़ के मुझे लगातार ऑफर मिले जिसमें लॉफ्टर चेलेंज, अंगूर, वाह-वाह आदि कई रिएलीटी शोज मैंने किये। मेरे लेख व कविताएं विभिन्न पत्रिकाओं में छपते रहते है। सामाजिक व धार्मिक संगठनों से जुड़कर मन को आनंद मिलता है।

मेरी प्रथम पाठशाला ओसवाल मित्र मंडल वे मेरे प्रथम गुरु बंसीलालजी कुचेरिया व नेमीचंदजी कोठारी रहे। जिन्होंने मुझे नयी राह, नई प्रेरणा दी।

Sujata Singhi

International educator, motivational speaker, Business and transformational coach, licensed NLP trainer and leadership coach. Trained more than 3 lakh people in the past three years from IRS , IAS, CA's and other high officials of various departments / organisations.

Neha Deepak Shah

Neha Deepak Shah has spent a large part of her life growing up in Mumbai. Her encounter with cooking began at the age of 7. With time her culinary passion evolved further and at the age of 25 fate brought her to the first runner up position on MasterChef India Season 4.

Neha studied her Food Science & Technology from S.N.D.T. University. After graduating in the year 2010, she started working in Dabur India Ltd. as a Research Scientist for two years.

Then she started working with International Flavours and Fragrances (IFF) as a Flavorist. There are less than 1000 Flavorist in the whole world.

She loves to infuse flavours and techniques that help get the best Indian progressive and fusion recipes. She has an extreme passion for baking and has learnt it from her mom. She has always idolized leading chefs like Heston Blumethal, Antonio Bachour.

She is all set to finally open doors for 'Meraaki Kitchen' in Jaipur which is potentially India's largest standalone restaurant. (About 30,000 sqft). 'Meraaki' means to put a part of yourself into what you do or to do something with love , passion and creativity.

ओसवाल शहनाई

ओसवाल मित्र मंडल मैट्रीमोनियल बायोडाटा बैंक

वधू चाहिए

CODE	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PLACE	VAR / VADHU	SHAKHA			
ME - 993	25.05.1990	5'10"	बी. ई.,	जोधपुर	वधू चाहिए	टाटिया	मोहनोत	-	-
ME - 992	18.12.1989	5'8"	बी. ई.,	मुंबई	वधू चाहिए	कर्नावट	कोठारी	पारख	चोरडिया
ME - 991	09.08.1985	5'9"	बी. ई.,	मुंबई	वधू चाहिए	घुमावत	रानावत	-	-
ME - 800	16.04.1985	5'10"	बी. ई., एम. एस.,	मुंबई	वधू चाहिए	पुनमिया	श्रीश्रीमाल बोहरा	-	-
MPG - 1001	03.02.1989	5'9"	बी. कॉम., एम.बी.ए.,	मुंबई	वधू चाहिए	हरन	बाबेल	कोठारी	हरकावत
MPG - 1000	03.06.1989	5'11"	एम. कॉम.	मुंबई	वधू चाहिए	पोखरना	सोमावत	नाहर	डागा
MCA - 317	24.05.1988	5'11"	सी. ए.	मुंबई	वधू चाहिए	भंसाली	डफरिया	-	-
MCA - 316	04.12.1984	5'7"	सी.ए.	हुबली(कर्ना.)	वधू चाहिए	दोशी	मेहता	-	-
MCA - 315	14.06.1988	5'10"	बी. कॉम., एम. कॉम, सी.ए.,	मुंबई	वधू चाहिए	लोढ़ा	सिंघवी	मारु	सुराना
MG - 1332	10.08.1989	5'4"	बी. कॉम.,	USA	वधू चाहिए	-	-	-	-

वर चाहिए

CODE	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PLACE	VAR / VADHU	SHAKHA			
FPG - 1478	01.10.1987	5'1"	एम. बी. ए.	मुंबई	वर चाहिए	भंडारी	हिरावत	बछावत	भूरा
FPG - 1315	27.08.1987	5'4"	एम. बी. ए., एम. कॉम	मुंबई	वर चाहिए	भरकतिया	कर्नावट	चांडालिया	नबेदा
FCA - 295	29.09.1989	5'6"	बी. कॉम., सी. ए.,	कोयम्बटूर	वर चाहिए	चोरडिया	मारलेचा	कनूगा	बैद-मेहता
FCA - 294	20.08.1990	5'2"	सी. ए.,	कोलकता	वर चाहिए	बोथरा	मालू	-	-
FCA - 293	02.11.1989	5'3"	सी. ए., एम. बी. ए.	मुंबई	वर चाहिए	कुमकुम चौपडा - कोठारी	कोचर	हिरावत	पारख
FCA - 292	27.09.1991	5'1"	एम. कॉम.,सी. ए.,	पुने	वर चाहिए	मुथा	संचेती	छाजेड	पारेख
FE - 547	30.10.1991	5'3"	बी. टेक.,	जयपुर	वर चाहिए	नखट	तलेरा	-	-
FG - 1679	26.07.1991	5'6"	बी. कॉम., (PERSUING एम. कॉम.,सी. ए.,)	अहमदाबाद	वर चाहिए	कोठारी	भंडारी	-	-
FG - 1643	29.11.1989	5'0"	बी. एम. एस.,	मुंबई	वर चाहिए	भंडारी	हिरावत	बछावत	भूरा
FG - 1508	04.12.1985	5'4"	फैशन डिझाईनर	मुंबई	वर चाहिए	भंडारी	हिरावत	बछावत	भूरा

ओसवाल Mitra Mandal
Matrimonial Bio-Data Bank

Office No. 47, 1st Floor, Ratnajyot Industrial Estate, Irla Gauthan, Irla Lane, Vile Parle (West), Mumbai - 400 056.
Tel.: (022) 6571 2566, 2628 7187 • Email : oswalmatrimony@gmail.com

Closed on Wednesday and Bank Holiday

Visiting Hours
10.30 am to 4.00 pm
all Days including Sunday

Testimonials

श्री सम्पादकजी,
ओसवाल प्रकाश,
ओसवाल मित्र मण्डल

सादर - जयजिनेंन्द्र

आज ओसवाल प्रकाश प्राप्त कर प्रसन्नता हुई । साफ सुंदर छपाई - शान्ति देनेवाला रंग - सार पूर्ण रचनाएँ व जानकारी, आपको बधाई।

सबसे अच्छा लगा पुराना चित्र जिसमें हमारे संस्थापक या संस्था के मजबूत पायों को हमें दर्शन कराये। अपने इतिहास के पुराने पन्नो को पलटा । थोडी उसकी जानकारी - मिलती तो और भी अच्छा होता।

अपने बुर्जगों को याद करना हमारे समाज की परम्परा रही हैं।

आपको धन्यवाद व बधाई शुभकामनाओ के साथ ।

आपका
आर. प्रसन्नचंद चोरड़िया

"A woman is a co-creator with God
She brings forth life, sweat, tears and love.
Patience , kindness, Commitment are her way.
Her beauty is from the soul.
Her strength and courage know no bounds
Her touch is gentle, with a hand that is firm.
She walks proud with a purpose and a destiny."

जब तक दरिया में हैं पानी और आसमान नीला हैं
जब तक सूरज तेज से चमके और अँधेरा काला हैं
जब तक दरिया में हैं पानी और आसमान नीला हैं
जब तक सूरज तेज से चमके और अंधेरा काला हैं
तब तक इस जहान का बनके प्राण रहूंगी मैं,
मैं थी, मैं हू, मैं रहूंगी । मैं थी, मैं हू, मैं रहूंगी । मैं थी, मैं हू, मैं रहूंगी।

Lyricist - Shrirang Godbole, Film - Astitva

Archive

Late Judge Shri C.U.Bora ji speaking at the Oswal Program

R. N. I. Registration No. MAHHIN/2000/4037
Postal Reg. No. MCS/037/2015-17

Posted at Mumbai Patrika Channel, Sorting Office, Mumbai - 400 001

Date of Publication - 10th of Every Month
Posting Date - 14th & 15th of Every Month

"WPP licence No MR/TECH/WPP-123/SOUTH/2017"
"Licence to post without prepayment"

To,

Oswal Mitra Mandal - 59, Jolly Maker Chambers No.2, 225, Nariman Point, Mumbai - 400 021.Tel - 2202 2306.

Website : oswalmitramandal.org
Email : oswalmatrimony@gmail.com
Facebook : www.facebook.com/Oswal-Mitra-Mandal

स्वत्वधिकारी ओसवाल मित्र मंडल के लिए प्रकाशक, मुद्रक अजीत कुचेरिया द्वारा प्रिन्ट प्रोसेस, बी २३, रोयल इंडस्ट्रियल इस्टेट, नायगांव क्रोस रोड, वडाळा, मुंबई - ४०० ०३१. से मुद्रित एवं ओसवाल मित्र मंडल, ५१ जॉली मेकर चेम्बर्स नं.२, नरीमन पाईंट, मुंबई - ४०० ०२१ से प्रकाशित
सम्पादकीय पत्ता - ajit@kucheria.co.in
सम्पादिका - मंजु लोढ़ा • सह संपादक - डॉ प्रकाश बोरा
प्रकाशक - अजीत कुचेरिया • डीजाइन : ड्रीम्सकेप - हिरा जैन

मण्डल के सदस्यों से निवेदन

ओसवाल मित्र मण्डल के सभी सदस्यों से निवेदन हैं कि यदि आपके निवास स्थान या कार्यालय का पता बदल गया है या बदलने वाला है तो उसकी सूचना विशेष रुप से मण्डल कार्यालय को अवगत करायें।

ओसवाल मित्र मंडल के सदस्य कैसे बने ?

आपके लिए विशेष जानकारी : आपको या आपके किसी संबंधी जो मुंबई या मुंबई के बाहर, महाराष्ट्र या अन्य किसी राज्य में रहते हो और ओसवाल मित्र मंडल का मेम्बर बनकर मॅट्रीमोनीयल संबंधित सेवाएं अथवा जानकारी लेना चाहते हो तथा प्रति माह ओसवाल प्रकाश से लाभांन्वित होना चाहते हो तो कृपया हमारे विलेपार्ले स्थित ऑफिस में **श्री. पुन्नालालजी से 08976149232 या 26287187 / 65712566** पर संपर्क करे या हमारे ई-मेल आयडी पर भी मेल कर सकते हैं हमारा ई-मेल आयडी **oswalmatrimony@gmail.com**
बायोडेटा रजिस्ट्रेशन फीस रु. 4000/-
लाईफ मेम्बर फीस रु. 6000/-